



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं. 385]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 15, 1988/अषाढ़ 24, 1910

No. 385]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 15, 1988/ASADHA 24, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

यस मंत्रालय

प्राप्त विनियम

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1988

अधिसूचना

सा.प.नि. 787(प्र).—कोयला खान विनियम, 1957 का संशोधन करने के लिए कतिपय विनियमों का निम्नलिखित प्राव्य, जिसे केन्द्रीय सरकार, खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 57 द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त अधिनियम की धारा 59 का उपधारा (1) की श्रेष्ठानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, जिनके इनमें प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्राव्य पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन मास की अवधि की समाप्ति पर विचार किया जाएगा।

अच्छी ऐसे श्रेष्ठानों या गुहाओं पर, जो इन प्रकार विनियमित श्रेष्ठान में पहले उक्त प्राव्य को लागू करने की अवधि में प्राप्त हों, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

1865 GI/88

1. इन विनियमों का मन्त्रालय नाम कोयला खान (संशोधन) विनियम 1988 है।

2. कोयला खान विनियम, 1957 (जिसे इनमें इसके अन्तर्गत विनियम कहा गया है) के विनियम 2 के खण्ड (31) के पारित्य निम्नलिखित खण्ड अन्तर्गत रखा जाएगा, अर्थात्—

“(31-क) खण्ड से ऐसा उद्देश्य अभिप्रेत है जो कि कोयला खानों को पुराने या कोयला खानों को खनन के लिए किताब हो या दिया जा रहा है”।

3. उक्त विनियमों के विनियम 11 के उपविनियम (10) के अन्तर्गत निम्नलिखित परस्पर अन्वयित किया जाएगा, अर्थात्—

“परस्पर अन्वयित विनियमों के अन्तर्गत यह धाराबद्ध नगर्त है तो वे उक्त स्थान हो तब कि परस्पर का तात्पर्य कीया यदि उक्त स्थान गार्जनीक छुट्टी है तो अगले कार्य स्थान के लिए स्थिति है। आपूर्ति और स्थान वे उक्त के लिए माय, स्थान और कार्बोनी अन्वयित रहे। ऐसा वे उक्त में, इस बात का विचार से लागू किया कि उक्त विनियम सक्षम रहित है, काम का निपटारा विधिपूर्ण होगा”।

(1)

4. उक्त विनियमों के विनियम 15 में—

(i) उपविनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्—

"(32) प्रबन्धक, सर्वेक्षक, ओवरमैन या मरदार के प्रमाणपत्र हेतु किसी परीक्षा के लिए किसी व्यक्ति को तब तक प्रवेश नहीं दिया जाएगा जब तक कि उसने किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की मैट्रिकुलेशन परीक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण न कर ली हो, और इंजन चालक या विस्फोटकर्ता के प्रमाणपत्र हेतु जब तक वह बोर्ड या यह समाधान न करे कि वह पढ़ा लिखा है।"

परन्तु इस उपविनियम की किमी. खान के बारे में यह नहीं समझा जाएगा कि उसने उन व्यक्ति को उपविनियम के उपबन्धों का समाधान न करने पर 1 जनवरी, 1989 को या उससे पूर्व सरदार के प्रमाणपत्र के लिए किमी परीक्षा में बैठने से विवर्जित कर दिया है यदि वह पहले ही उस प्रमाणपत्र के लिए किसी परीक्षा में प्रवेश पा चुका था।

(ii) उपविनियम (2क) का लोप किया जाएगा।

5. उक्त विनियमों के विनियम 20 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्—

"20. प्रमाणपत्र देने के लिए फीस—

(1) प्रमाणपत्र देने के लिए प्रत्येक आवेदन की वास्तव फीस निम्नलिखित मान के अनुसार दी जाएगी—

(क) प्रथम वर्ग प्रबन्धक के प्रमाण पत्र की दशा में	100 रु.
(ख) द्वितीय वर्ग प्रबन्धक के प्रमाणपत्र की दशा में	50 रु.
(ग) सर्वेक्षक के प्रमाणपत्र की दशा में	50 रु.
(घ) ओवरमैन के प्रमाणपत्र की दशा में	50 रु.
(ङ) सरदार के प्रमाणपत्र की दशा में	30 रु.
(च) प्रथम वर्ग इंजन चालक के प्रमाणपत्र की दशा में	30 रु.

(छ) द्वितीय वर्ग इंजन चालक के प्रमाणपत्र की दशा में	25 रु.
(ज) विस्फोटकर्ता के प्रमाणपत्र की दशा में	25 रु.
(झ) गैस परीक्षण प्रमाणपत्र की दशा में	25 रु.
(ट) लेम्प चैकर के प्रमाणपत्र की दशा में	35 रु.

(2) मुख्य निरीक्षक, उपविनियम (1) के अधीन संदत्त फीस के प्रतिदाय की अनुज्ञा दे सकेगा जहां अभ्यर्थी की प्रमाणपत्र देने के लिए परीक्षा के पूर्व मृत्यु हो गई है या जहां फीस का गलती से संदाय कर दिया गया है।

(3) यथापूर्वोक्त के सिवाय, किसी प्रमाणपत्र को देने के लिए संदत्त फीस प्रतिदेय नहीं है।"

6. उक्त विनियमों के विनियम 25 का लोप किया जाएगा।

7. उक्त विनियमों के विनियम 26 में—

(1) "ओवरमैन, सरदार, इंजन चालक, विस्फोटकर्ता, गैस परीक्षण या लेम्प चैकर के प्रमाणपत्र का तिलम्बन" शब्दों, जो धार्य शर्तों में आए हैं, के स्थान पर "प्रबन्धक, सर्वेक्षण के प्रमाणपत्र का तिलम्बन" शब्द रखे जाएंगे।

(2) "ओवरमैन, सरदार, इंजन चालक, विस्फोटकर्ता, गैस परीक्षण या लेम्प चैकर के प्रमाणपत्र का धारक" शब्दों जो उपविनियम (1) में आए हैं, के स्थान पर "प्रबन्धक सर्वेक्षक का प्रमाणपत्र का धारक" शब्द रखे जाएंगे।

8. उक्त विनियमों के विनियम 31 या उपविनियम (2) के दूक परन्तु और "या विनियम 112 का" शब्दों जो उपविनियम (3) में आए हैं, का लोप किया जाएगा।

9. उक्त विनियमों के विनियम 32 के पश्चात् निम्नलिखित विनियम अंतर्स्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

"32. क. संघातन अधिकारी की अर्हताएं और नियुक्ति हर खान में जहां पहली डिग्री का गैसीय संस्तर हो, जिसका औसत उत्पादन 5000 टन से अधिक है या दूसरी अथवा तीसरी डिग्री पर औसत उत्पादन 2500 टन से अधिक है वहां, खान के पर्यवेक्षण कार्य में संघातन प्रणाली के अनुरक्षण में प्रबन्धक की सहायता इन विनियमों के उपबन्धों के अनुसार किसी संघातन अधिकारी द्वारा दी जाएगी। वह ऐसा व्यक्ति होगा जो निम्नलिखित अर्हताएं रखता हो—

(क) किसी ऐसी खान की दशा में जिसमें पहली डिग्री का गैसीय संस्तर है और जिसका औसत उत्पादन 15,000 टन से अधिक है या किसी ऐसी खान की दशा में जिसमें दूसरी या तीसरी डिग्री का गैसीय संस्तर है और जिसका औसत उत्पादन 10,000 टन से अधिक है, प्रबन्धक का प्रमाणपत्र, और

(ख) प्रत्येक अन्य मामले में, किसी प्रबन्धक का प्रमाणपत्र या विनियम 16 के उपविनियम (1) के परन्तु के अंतर्गत के लिए अनुमोदित अनन या खनन इंजीनियरी में कोई डिग्री, डिप्लोमा या प्रमाणपत्र।

परन्तु जहां विशेष शर्तें विद्यमान हैं, वहां प्रादेशिक निरीक्षक, लिखित आदेश द्वारा और उन शर्तों के अधीन जो वह उसमें विनिर्दिष्ट करें, इन उपबन्धों के फेरफार में किसी संघातन अधिकारी की नियुक्ति की अनुज्ञात या अपेक्षित कर सकेगा या संघातन अधिकारी की सहायता के लिए, उतने व्यक्तियों की नियुक्ति अपेक्षित कर सकेगा जितने आवेदन में विनिर्दिष्ट किए जाएं।

परन्तु यह और कि किसी ऐसी खान की दशा में जिसमें पहली डिग्री की कोई गैसीय संस्तर है और जिसका औसत उत्पादन 15,000 टन से कम है, प्रादेशिक निरीक्षक, उसमें संक्षिप्त की प्रकृति और विस्तार पर विचार करते हुए, लिखित आदेश द्वारा और उन शर्तों के अधीन, जो वह उसमें विनिर्दिष्ट करें, विनियम 31-क के अधीन नियुक्त संघातन अधिकारी के पद को मरुदा अधिकारी के पद के साथ मिलावे के लिए अनुज्ञात कर सकेगा।

स्पष्टीकरण—एय विनियम के प्रयोग के लिए "औसत उत्पादन" से पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान सभी संस्तरों की भूमि के नीचे सक्रियता से कुल उत्पादन का प्रतिमान औसत अभिप्रेत है। जहां खान में विभिन्न डिग्रियों के गैस वाले संस्तर हों वहां पूर्वापवर्णित औसत उत्पादन गैसीयता की उच्चतम डिग्री के संस्तर या संस्तरों से समझा जाएगा।"

10. उक्त विनियमों के विनियम 34 के उपविनियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित उपविनियम अंतर्स्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

"(1-क) उपविनियम (1) के अधीन किसी ओवरमैन को मारी गई खान या जिता वैसे आकार का नहीं होगा और न ही इन विनियमों के अधीन उनके कर्तव्यों से भिन्न कोई अतिरिक्त कर्तव्य ऐसा होगा जिससे इन विनियमों के अधीन उनकी बिहित कर्तव्यों के ठीक रूप से निर्वहन में रुकावट संभाव्य हो और यदि पूर्ववर्ती कर्तव्यों के संवन्ध में संदेह उत्पन्न होता है तो उसे मुख्य निरीक्षक को विनिष्कथ के लिए निर्दिष्ट किया जाएगा।

11. उक्त विनियमों के विनियम 41 के उपविनियम (8) के अंत में, "और ऐसी प्रत्येक प्रविष्टि की एक प्रति रेखांक की एक प्रति के साथ बुर्खटना के सात दिन के भीतर प्रादेशिक निरीक्षक को प्रस्तुत की जाएगी" शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे।

12. उक्त विनियमों के विनियम 41 के उपविनियम (1) में, "यदि" शब्द के स्थान पर "किसी आपातकाल में के सिवाय, ऊपर विनिर्दिष्ट कर्तव्यों से भिन्न कोई कर्तव्य सुरक्षा अधिकारी को नहीं सौंपे जाएंगे और जहां कहीं" शब्द रखे जाएंगे।

13. उक्त विनियमों के विनियम 42 के उपविनियम (2) में, "यदि" शब्द के स्थान पर "किसी आपातकाल के सिवाय ऊपर विनिर्दिष्ट कर्तव्यों से भिन्न कर्तव्य सवातन अधिकारी को नहीं सौंपे जाएंगे जहां कहीं" शब्द रखे जाएंगे।

14. उक्त विनियमों के विनियम 43 के उपविनियम (8) के खण्ड (ख) में निम्नलिखित स्पष्टीकरण अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"स्पष्टीकरण—उक्त विनियम के प्रयोजन के लिए, "न्यायोचित कारण" केवल इस विनियम में प्रणित कर्तव्यों से संबन्धित होगा।"

15. उक्त विनियमों के विनियम 100 में—

(1) उपविनियम (1) में "मुख्य निरीक्षक" शब्दों के स्थान पर "प्रादेशिक निरीक्षक" शब्द रखे जाएंगे।

(2) उपविनियम (4) का लोप किया जाएगा।

(iii) उपविनियम (5) में, "उस छत का यथासंभव कम से कम क्षेत्र जो ढहने से बच गई हो" शब्दों के पश्चात् "किसी वायुविस्फोटक या खम्भों पर भार डालने से उत्पन्न खतरे का सम्यक् रूप से ध्यान रखते हुए" शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे।

16. उक्त विनियमों के विनियम 103 के में—

(क) उपविनियम (1) में विद्यमान परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"परन्तु यह और कि रजिस्टर में की गई किसी प्रविष्टि या उसमें किसी प्रविष्टि न किए जाने से यथा पूर्वोक्त परन्तुक के अनुसरण से संसूचना दिए जाने या न दिए जाने से अधिनियम या विनियम, नियम उपविधियों या उसके अधीन किए गए आदेशों के अधीन किसी व्यक्ति के कर्तव्य और बाध्यताएं किसी प्रकार सीमित नहीं होंगी।"

(ख) उपविनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

"(2) जब रजिस्टर में कोई प्रविष्टि की जाती है तो:—

(क) तब प्रत्येक स्वामी, अधिकारी, प्रबन्धक को यह जानकारा होना समझा जाएगा कि उस प्रविष्टि में क्या अंतर्विष्ट है; और

(ख) उसकी एक प्रति ऐसी प्रविष्टि के तीन दिन के भीतर खान के सूचनापट्ट पर पंद्रह दिन से अन्यून अवधि के लिए संप्रदर्शित की जाएगी।"

(ग) उपविनियम (3) के पश्चात् निम्नलिखित उपविनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"(4) —रजिस्टर:—

(क) खान कार्यालय में अंतिम प्रविष्टि किए जाने के पश्चात् कम से कम तीन वर्ष की अवधि के लिए निरीक्षण के लिए उपलब्ध रखा जाएगा, और

(ख) प्रादेशिक निरीक्षक द्वारा या उसकी लिखित मंजूरी के सिवाय पूर्वोक्त अवधि की समाप्ति से पूर्व हटाया नहीं जाएगा।"

17. उक्त विनियमों के विनियम 108 में—

(i) उपविनियम (i) के खण्ड (ख) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"(ख) पार्श्व के 10 मीटर के भीतर प्रत्येक विकास संक्रिया और सड़क मार्ग का प्रत्येक जंक्शन किसी विकास पार्श्व के तुरन्त बाहर होगी :

(ii) उपविनियम (2) और उपविनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखे जाएंगे, अर्थात्:—

(2) प्रत्येक ऐसी खान का प्रबन्धक, जिसमें भूमि के नीचे संक्रियाएं हो रही हैं, उपविनियम (1) के विनिर्दिष्ट किसी संक्रिया के प्रारम्भ से पूर्व और तब भी जब प्रादेशिक निरीक्षक द्वारा अधीक्षित हो स्तर के भौतिक यांत्रिकी गुण स्थानीय भूवैज्ञानिक दशाओं, कार्य और यंत्रिकरण की प्रणाली और पूर्व अनुभव का सम्यक् रूप से ध्यान रखते हुए, विरचना करेगा, और ऐसे व्यवस्थित आलंब नियमों को प्रवृत्त करेगा जिसमें प्रत्येक संक्रिया के संबंध में आलंब के प्रकार और निर्देश तथा उनके बीच अन्तराल विनिर्दिष्ट किया गया हो।

(i) सड़क पथों पर, जिनके अन्तर्गत ऐसे स्थान भी हैं जहां मशीनरी का उपयोग कटाई, संवहन या लड़ाई के लिए किया जाता है, आलंब।

(ii) प्राप्त (छायाधार) की प्रत्येक पक्ति छत बोल्ड या अन्य आलंब।

(iii) प्राप्त की पार्श्वस्थ पक्तियां, छत बोल्ड या अन्य आलंब।

(iv) आलंबों की अंतिम पक्ति और आसुख ;

(v) द्रवचालित मेख और विद्युत आलंब ; और

(vi) पैक और आसुख।

परन्तु, किसी ऐसी खान की बाबत जहां विकास संक्रियाएं पहले से चल रही हैं, वहां उपविनियम (1) के खण्ड (ग) में विनिर्दिष्ट संक्रिया स्थल के संबंध में आलंब नियम, इस विनियम के प्रवृत्त होने की तारीख के 15 दिन के भीतर विरचित और प्रवृत्त किए जाएंगे।

(3) प्रबन्धक उपविनियम (2) में विनिर्दिष्ट किसी संक्रिया के प्रारम्भ से कम से कम 30 दिन पूर्व और उसके परन्तुक के अधीन रहते हुए व्यवस्थित काष्ठकार्य नियमों की एक प्रति प्रादेशिक निरीक्षक को प्रस्तुत करेगा जो किसी भी समय, लिखित आदेश द्वारा नियमों में ऐसे उपांतरों की अपेक्षा कर सकेगा जो वह उसमें विनिर्दिष्ट करे।

(ii) "यथापूर्वोक्त विरचित और अनुमोदित" और "अन्य" शब्दों का जो उपविनियम (4) में आया है, लोप किया जाएगा।

(iv) उपविनियम (5) के पश्चात् निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"(6) प्रबन्धक निम्नलिखित विनिर्दिष्ट करते हुए स्थायी आदेशों की कोई सहितां बनाएगा और कार्यान्वित करेगा:—

(क) उपयुक्त सामग्री, यथोचित शक्ति और पर्याप्त मात्रा में आलंब के उपापन और प्रसार के लिए प्रणाली और संगठन जहां वे सुकर रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध हैं।

(ख) ड्रेडिंग की पट्टि जिसके अन्तर्गत खोला और समजान भी है, जहां आवश्यक हो, और मृतह से आसुख तक और आसुख रेखा से उसके नग, स्थलों तक आलंबों का परिवहन ;

- (4) अनुसूचना के लिए प्रणाली और संयंत्र और आलंबों की जांच, छत और किनारों की दरी को कराना, आलंबों का परिनिर्माण पश्चिम और पूर्व की ओर तथा विस्थापित आलंबों का जिनके परस्परान्त समुचित आकार भी है पुनर्परिनिर्माण करना।
- (5) किसी निश्चित आलंबकर्मों के ट्रेड के ट्यूबों से अनुपस्थित करने को बगल में उठते रहने पर लगे जाने के लिए नक्षत्र बनावटों का फैला, और—
- (6) सभी संयंत्रित व्यक्तियों की सीढ़ी लक्षणकर्ता, ट्रेड, काष्ठकार, विस्फोटक, पत्थर, ओवरसीन और सहायक प्रबंधकों की अवस्थित आलंब नियमों में और कार्य की प्रकृति में जिनका उदा निम्नित प्रवेश व्यक्ति द्वारा निराकरण किया जाए, पूर्ण रूप में अवगत करने की रीति।

18. उक्त विनियमों के विनियम 109 के अन्तर्गत पर निम्नलिखित विनियम रखे जाएंगे, अर्थात्:—

- "109. आलंब लगाना (1) (क) प्रत्येक छायाधार सुरक्षित रूप में और गुरुत्व नींव पर लगाई जाएगी, और छत से कमतर रखी जाएगी।
- (ख) जहां कोई छायाधार बाजू या अन्य गुरुत्व सामग्री पर लगाया गया है, वहां 5 सेंटीमीटर से अनुपम मोटाई 25 सेंटीमीटर चौड़ाई और 0.75 मीटर लम्बाई के किसी ग्राह्य-आधार बाने टुकड़े का उपयोग किया जाएगा।
- (ग) छायाधार पर उपयुक्त ब्रकट की चौड़ाई छायाधार के अर्ध-स्थान से अनुपम, मोटाई, 8 सेंटीमीटर से अनुपम और लंबाई 0.5 मीटर से अनुपम होगी।
- (2) किसी भूकंपय की छत को आलंब देने के लिए लगाई गई प्रत्येक छड़, सड़क पथ के किनारों पर या सड़क पथ के के किनारों में कम से कम 0.5 मीटर गहरे बनाए गए छिद्रों सुरक्षित रूप से जड़ी हुई छायाधार पर या कार्य पर या उपयुक्त डिजाइन तथा पर्याप्त भूकंपय क्षमता की कनेक्शंस पर सुरक्षित रूप से लगाई जाएगी और छत में कम कर रखी जाएगी। जहाँ लैगिंग आवश्यक है, वहाँ लैगिंग की संख्या प्रत्येक छड़ की प्रत्येक मीटर लंबाई के लिए एक से कम नहीं होगी और लैगिंग को छत में कवर कर रखा जाएगा।
- (3) (क) आलंब के रूप में प्रत्येक प्रत्येक बांध सुनिश्चित होगा और वास्तविक फर्श पर या सुरक्षित तौर पर लगा होगा तथा छत से पर्याप्त गिरावट रखने हुए कर कम बनाए रखा जाएगा।
- (ख) काम के अंशों के रूप में केवल प्राथमिक टुकड़ों का ही उपयोग किया जाएगा, तथापि काष्ठ की बगल में दो आलंब सामग्री के किनारों को जोड़ना ही पर्याप्त होगा।
- (ग) काम के अंश 1, 2 मीटर से अनुपम लंबाई के नहीं होंगे।
- (घ) लोगों को किसी विनिर्दिष्ट क्षेत्र में काम परिनिर्माण करने से पूर्ण छायाधारों का प्रत्येक काम के किनारे पर परिनिर्माण किया जाएगा।
- (4) झुक हुए संस्तर में आलंब छायाधार और काम इस प्रकार लगाई जाएगी कि संस्तर के क्षुब्ध या गड़क पथ तथा गम्भीर आरक्षित मणि का ध्यान रखते हुए अधिकतम आलंब सुनिश्चित किया जा सके।
- (5) छत में प्रत्येक कमर और प्रत्येक प्रमुख दरार या स्खलन, कम से कम काम के एक ओर या उपयुक्त रूप में संकेपित काम पर छिद्रों से आलंबित रखी जाएगी।

(6) ऊपर लटके हुए पाशों की नीचे की ओर दरी की जाएगी; जहाँ यह संभव न हो, वहाँ खड़े छायाधार या आलंब के अन्य उपयुक्त माध्यम एक मीटर से अधिक अन्तरालों पर परिनिर्माण किए जाएंगे।

(7) जहाँ बाजू या अन्य सामग्री जड़ी हुई है या आलंब के प्रयोजन के लिए कोई पैक लगाया गया है, वहाँ उसे पैक किया जाएगा या छत से उसके संपूर्ण क्षेत्र में पर्याप्त रूप से लगा जाएगा।

(8) (क) छत और पार्श्व तथा आलंबों का प्रायः यथावश्यक परीक्षण किया जाएगा; और उसके निम्न जहाँ यह आलंब के प्रयोजनों के लिए आवश्यक न हो, कोई आलंब किसी संख्या में होना ही नहीं होगा, टूट गया हो या अव्यवस्थित हो गया हो या हट गया हो तो उसे कम से कम संभव विवरण से विनिर्दिष्ट किसी व्यवस्था के परवाना व्यक्तियों को गुजरने की अनुज्ञा देने या कार्य पर बाध आने से पूर्व कमा, बदला या अक्षेपित किया जाएगा, जहाँ तब कोयला या छत कोयला लिया गया है वहाँ लुनर छायाधार के स्थान पर दीर्घतर छायाधार लगाए जाएंगे।

(ख) ऐसे प्रत्येक स्थान में जिनमें से छत कोयला लिया गया है या छत या पार्श्व गिर गए हैं तो गिरे हुए कोयले की या उसके किसी भाग को साफ करने का कार्य किया जाएगा और सही किसी व्यक्ति को गुजरने की अनुज्ञा दी जाएगी जब तक कि वह खुली छत या पार्श्वों की परीक्षा नहीं कर ली जाती है और यदि आवश्यक हो तो, अस्थाई आलंब द्वारा सुरक्षा प्रदान नहीं कर दी जाती है।

(9) उचित विनियम (8) में किसी बात के होते हुए भी, किसी सरदार या ओवरसीन के पर्यवेक्षण के अंगीत न्यूनतम संख्या में उतने व्यक्ति लगाए जाएंगे जो वहाँ छत और पार्श्वों की सुरक्षा के लिए आवश्यक हों।

(10) जहाँ छत बोल्डों का आलंब के रूप में उपयोग किया जाता है, वहाँ बोल्ड स्थान में सुरक्षित रूप से लगाए जाएंगे।

(11) (क) विद्युत आलंब, द्रव्यगत छायाधार या संपर्क छड़ें, कोयला के किसी जास को पार्श्व से उतार लिए जाने के पश्चात यथा शक्य माध्यम प्रयुक्त किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बिना आलंब की नवीनतम खुली छतको न्यूनतम रखा गया है।

(ख) विद्युत आलंब, द्रव्यगत मेख और छायाधार तथा धर्म छायाधार सुरक्षित रूप में लगाए जाएंगे और समय समय पर जांच की जाएगी। यदि किसी विद्युत आलंब या द्रव्यगत मेख में किसी छूट का पता चलता है तो उस की यथाशक्य शीघ्र देखभाल की जाएगी और तब तक के लिए उस स्थान पर छत में पारंपरिक आलंब प्रमाणी ढंग से लगाए जाएंगे। किसी छूटपूर्ण द्रव्यगत या धर्म छायाधार को तुरंत बदला जाएगा।

(ग) जहाँ छत, आंगन या पार्श्वों में किसी अनियमितता के कारण या किसी अन्य कारण से कोई विद्युत आलंब या द्रव्यगत मेख प्रभावहीन हो जाती है, वहाँ पारंपरिक आलंबों का पर्याप्त मात्रा में उपयोग किया जाएगा।

(घ) किसी भी कारण से संवत्सक के प्रमुख पार्श्व पर गुरुत्व या कार्य करने में व्यक्तियों के लिए किसी भी समय यह आवश्यक हो जाए तो किसी प्रमुख संवाहक के प्रमुख पार्श्व पर छत और पार्श्वों के आलंब के लिए अतिरिक्त आलंबों का परिनिर्माण भी किया जाएगा।



19. उक्त विनियमों के विनियम 110 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

"आगों का हटाया जाना—

(1) जब कभी आगों को हटाया जाना हो तो वे उस पद्धति के हटाए जाएंगे जिसे प्रबन्धकों के स्थायी आदेशों में विनिर्दिष्ट किया जाएगा। स्थायी आदेश के अन्तर्गत निम्नलिखित होंगे—

(क) समुचित औजारों का प्रदाय और उपयोग तथा सुरक्षा उपाय

(ख) ऐसी छत के जिससे आगें हटाए जा रहे हैं ढहने को रोकने के लिए अतिरिक्त आगों का लगाया जाना;

(ग) आगों को हटाने का क्रम: उसके तिनार के छायादार को हटाने से पूर्व किसी भाग को हटाना;

(घ) संकिया में लगे व्यक्तियों की सुरक्षित स्थिति;

(ङ) ऐसे सशस्त्र व्यक्तियों का प्रशिक्षण जिन्हें संकियाएँ मौफाई गई हैं; और

(च) आगें हटाने के दौरान पर्यवेक्षण।

(2) विद्युत आगों की वशा में, हटाए जाने की संकियाओं के दौरान आमुख रक्षा के आगों की पद्धति आदेशों में विनिर्दिष्ट की जाएगी।"

20. उक्त विनियमों के विनियम 118 के,—

(i) उपविनियम (1) में "स्तरम निष्कर्षण" शब्दों के स्थान पर, जो खण्ड (क) और (ग) में आते हैं, "कोयला निष्कर्षण" शब्द रखे जाएंगे।

(ii) उपविनियम (3) में "गोण्ड क्षेत्र" शब्दों के स्थान पर जो खण्ड (ग) में आते हैं, "गोण्डे क्षेत्र और अनुपयुक्त खान" शब्द रखे जाएंगे।

(iii) उपविनियम (4) के परस्पर का तांग किया जाएगा।

21. उक्त विनियमों के विनियम 119 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा अर्थात्:—

(1) जब किसी व्यक्ति को धुआँ या किसी अन्य चिह्न का पता चले, जिससे स्वयं तपने का होना उपरक्षित होता हो, या आग लगने का पता चले जो भूमि पर कोयला निष्कर्षण या किसी कार्यरत निवृत्त खान में या भूमिगत खान के किसी भाग में लग गई है, वह व्यक्ति तुरंत उसके बारे में अपने उच्चतर पदाधिकारी को सूचना देगा।

(2) किसी निवृत्त खान में या कोयला निष्कर्षण द्वारा ढूँढी हुई भूमि पर या भूमिगत खान के किसी भाग में, कोई ऐसा चिह्न जो यह उपरक्षित करे कि आग लग गई है या लग सकती है या स्वयं तपन हो गया है या हो सकता है, प्रकट होने पर—

(क) उन व्यक्तियों से भिन्न जिनकी उपस्थिति आग या तपन से निपटने के लिए आवश्यक समझी जाए सभी व्यक्तियों को तुरन्त खान से या भूमिगत खान से या श्रमस्थल के ऐसे भाग से जहाँ उन्हें आग, धुआँ या बाहर निकली तप्त मायमी से खतरा हो सकता है, तुरन्त हटा दिए जाएंगे।

(ख) आग या तपन सामग्री को बुझाने और बचाने के लिए या आग या तपन का नियंत्रित करने और संहार करने या भूलभुलंकार करने उमका फैलने से रोकने के लिए अतिरिक्त तुरन्त पर्याप्त कर्म उठाए जाएंगे; और

(ग) भूमि के नीचे आग लगने या तपन की वशा में, विनियम 199-क के अधीन तैयार की गई योजना तुरन्त लागू की जाएगी।

(3) उस संपूर्ण अवधि के दौरान जब आग या तपन के संक्रमण का कार्रवाई करने या पर्यवेक्षण करने या समाप्तावस्था करने या शान्त करने का कार्य चल रहा हो तो—

(क) कोई सशस्त्र व्यक्ति स्थल पर हर समय उपस्थित रहेगा;

(ख) किसी जानिकर पदार्थ, स्फुरक, या प्रज्वलनशील गैसों, ज्वाला, धार गिराई गई या फैले गई राख और मायमी, जल गैस के डिस्कोट और विदरिका में गिरने वाली या जनक गतिक, जो आग लगने के क्षेत्र में हो सकती है, से व्यक्तियों को होने वाले खतरों को रोकने के लिए पर्याप्त पूर्वविवशानिया बरती जाएगी।

(ग) जब आग सजीवरी का सहायता से लागू या तपन में संबंधित काम करने समय संदेशावध स्थिरता के प्रमाणित क्षेत्रों में किसी संपरीक्षित, या मानन भार वाली किसी क्षेत्र या किसी अन्य उपयुक्त साधन का उपयोग किया जाएगा और ज्ञान या जहाँ रिक्तियाँ अन्तर्विष्ट होना संदिग्ध हो किसी क्षेत्र में उपस्थित किया जाएगा तब संदिग्ध भूमि पर चलाए जा रहे उपकरण के अधिवास में कर्षण रखा या कर्षण अन्तर्विष्ट का उपयोग किया जाएगा। आग के संबंध में उपर्युक्त प्रत्येक उपकरण में तपन के प्रभाव की उचित गंजाइय रखा जाएगी।

(घ) भूमिगत आग या तपन की वशा में,

(i) आग या तपन स्थल तक निरन्तर पहुँच सड़क मार्ग का अदृष्ट धूल या आग के फैलने को रोकने के लिए डिजाइन की गई किसी अन्य रीति में अतिरिक्त किया जाएगा।

(ii) समर्थ पर या उसके निकट पर्याप्त संख्या में स्वबचाव-कारक और कम से कम दो धुआँ शिरक्षण या अन्य उपयुक्त साधन, जो उपयुक्त पक्षियों से युक्त पिजर कार्बन मोनोक्साइड गैस का पता लगाने के मुख्य निरीक्षक द्वारा अनुमोदित अथवा साधन और एक ली वाली सुरक्षा तैप या कार्बनडाइऑक्साइड गैस का पता लगाने के मुख्य निरीक्षक द्वारा अनुमोदित अन्य साधन आयात में उपयोग के लिए उपलब्ध रखे जाएंगे।

(4) (क) उन व्यक्तियों से भिन्न जिनकी उपस्थिति आग या तपन के संबंध में कार्रवाई करने के लिए या उसका संहार करने के लिए या उसको नियंत्रित करने के लिए की जाती है, विद्युत खान संकिया या भूमि के नीचे खान में या आग के समीपस्थ सतही क्षेत्र के किसी भाग पर तब तक पुनः प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा जब तक आग या तपन प्रभावी रूप से बुझा न गयी हो या उसका संहार बन्द न कर दिया गया हो या अन्यथा प्रभावी रूप से नियंत्रित नहीं हो जाती और प्रबन्धक, अथवा प्रबन्धक या महायक प्रबन्धक द्वारा परीक्षा नहीं कर ली जाती और खान सुरक्षित घोषित नहीं कर दी जाती। ऐसी हर परीक्षा की रिपोर्ट दस प्रयोजन के लिए रखी गई जिनके पृष्ठसंघातित तुरन्तक में अतिरिक्तित की जाएगी और परीक्षा करने वाले व्यक्ति द्वारा उस पर हस्ताक्षर करके तारीख डाली जाएगी।

परन्तु प्रादेशिक निरीक्षक, लिखित आदेश द्वारा, और उन गतों के अधीन रहते हुए जो वह उसमें विनिर्दिष्ट करे उनसे भिन्न व्यक्तियों का, जिनकी आग या तपन के संबंध में कार्रवाई करने की अपेक्षा की जाती है, विद्युत खान संकिया या भूमि के नीचे खान के किसी भाग में नियोजन अनुज्ञात कर सकेगा।

(ख) खण्ड (क) द्वारा उपरक्षित परीक्षा, किसी भी वाले अनुमोदित नियमों के अन्तर्गत उपर्युक्त पक्षियों के युक्त पिजर या मुख्य निरीक्षक द्वारा अनुमोदित कार्बन मोनोक्साइड गैस का पता लगाने के अन्य साधनों की सहायता से की जाएगी।

(5) प्रत्येक खान का प्रबन्धक, जिससे तपन या आग के निवारण, पत्ता लगाने, कार्रवाई करने और नियंत्रण के लिए, आग या पतन की नियंत्रित या बिलगाव करने के लिए और उक्त मकियाओं में लगे व्यक्तियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त अग्निशमन प्रबन्धों की व्यवस्था करने और उनके अनुरक्षण के लिए एक विस्तृत स्कीम तैयार करेगा और स्थापना करेगा, स्कीम परिस्थितियों के अनुसार उपयुक्त रूप से उपांतरित की जाएगी और अद्यतन रखी जाएगी।

(6) जहां उपविनियम (2) के खंड (ख) के उपबन्धों का किसी खान या उसके भाग में अनुपालन नहीं हुआ है, या जहां प्रादेशिक निरीक्षक की राय में ऐसे उठाए गए कदम अपर्याप्त हैं, वहां वह सम्बन्धी, अधिकारी या प्रबन्धक को लिखित में सूचना दे सकेगा जिसमें वह उसमें यह अपेक्षा करेगा कि वह ऐसे सुरक्षात्मक उपाय ऐसे समय के भीतर करे जो वह उक्तमें विनिर्दिष्ट करें। सूचना की अपेक्षाओं के अनुपालन न होने की दशा में, प्रादेशिक निरीक्षक, लिखित आदेश द्वारा, खान या उसके भाग में किसी ऐसे व्यक्ति का नियोजन, जिसका नियोजन पूर्वोक्त अपेक्षाओं के अनुपालन में आवश्यक न हो, जब तक सूचना की अपेक्षाओं का अनुपालन नहीं हो जाता, प्रतिबिद्ध कर सकेगा।

22 उक्त विनियमों के विनियम 120 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“अग्निशामक उपस्कर और संगठन:

(1) प्रत्येक विद्युत खान या भूमि के नीचे खान में,—

(क) जब तक कि प्रादेशिक निरीक्षक द्वारा स्पष्टतया लिखित में छूट न दे दी गई हो, पूर्ण रूप से वास्तविक संनिर्माण जल प्रणाल और उन पर 100 मीटर से अधिक की दूरी पर पर्याप्त संख्या में टेंटियां लगाई जाएंगी और जो सभी कार्य स्थलों, में और आग की जोखिम वाले अन्य स्थानों पर जिसके अन्तर्गत कोयला भंडार, कार्बनयुक्त सामग्री वाली फालतू मिट्टी के ढेर तपन उत्पन्न करने वाली कोयला प्रमाप्य सतह आदि भी हैं, जो प्रभावी अग्निशमन के प्रयोजन के लिए पर्याप्त दाब पर जल की पर्याप्त मात्रा का प्रदाय कर सकें, की व्यवस्था की जाएगी और उन्हें बनाए रखा जाएगा। 60 मीटर से अधिक लंबाई के हीज पाइप, आवश्यक मानकीकृत फिटिंगों के साथ उपयुक्त स्थानों पर घासती से उत्पन्न रखे जाएंगे।

(ख) अग्निशामक उपस्करों को उपयुक्त प्रदाय के साथ अग्निशमन केन्द्रों की स्थापना की जाएगी और अद्यतन पर और भूमि के नीचे दोनों में पर सुविधाजनक स्थानों में अनुरक्षित बनाए रखे जाएंगे और

(ग) बाजू या अदाहू धूल या बहर्ताय अग्निशमनकों की निम्नलिखित में व्यवस्था की जाएगी:—

(i) किसी खान के प्रत्येक प्रवेश स्थान और उपयोग में आने वाली प्रत्येक अवतरण और शीपट तली पर;

(ii) ऐसे प्रत्येक स्थान पर जहां काष्ठ, ग्रीज, तेल या अन्य ज्वलनशील सामग्री संग्रहित है;

(iii) प्रत्येक इजन कक्ष, विद्युत् मिश्र, मुक्त मार्ग वाहन चालन यूनिट डीजल अनुरक्षण कार्याशाला और मरणा केन्द्र 'संचयन' मेटरी आवेक्षण केन्द्र;

(iv) प्रत्येक कोयला प्राप्त करने की मशीन और शीपण मशीन, परन्तु 'जहां घर्षण ज्वलनशीलता का जोखिम अधिक है, वहां ऐसी मशीनों से युक्त अग्निशमनकों की व्यवस्था की जाएगी जो स्वचालित हों, और

(v) आग की जोखिम वाले ऐसे जल शिथिल स्थानों पर जो प्रबंधक द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएंगे।

(घ) जल प्रणाल, टेंटियां, अग्निशमन केन्द्र, पंप केन्द्र, संवातन प्रणाली बचाव मार्गों यदि को दर्शाते हैं, अद्यतन अग्निशमन आरेख बनाए रखा जाएगा, और उसकी एक प्रति खान कार्यालय और भूमि के नीचे खान में सुगम स्थायी में लगाई जाएगी। पर्याप्त संख्या में व्यक्तियों को, अग्निशमनकों के उपयोग और अग्निशमन सेवा में भी प्रशिक्षित किया जाएगा। ऐसे सभी व्यक्तियों को उक्त सभी अग्निशमन उपस्करों की स्थिति के बारे में ज्ञात कराया जाएगा जिनकी खान में व्यवस्था की गई है।

(2) (क) गोंडाएस्ड प्रकार के अग्निशमन या पानी का प्रयोग जल की या वैद्युत् अग्नि को बुझाने के लिए नहीं किया जाएगा।

(ख) फॉम किस के अग्निशमन का प्रयोग वैद्युत् अग्नि बुझाने के लिए नहीं किया जाएगा।

(ग) रसायनों से मुक्त अग्निशमनकों की, जो प्रचालित किए जाते पर बिजली या उपायकर जैसी को छोड़ सकते हैं व्यवस्था या उनका प्रयोग भूमि के नीचे नहीं किया जाएगा।

परन्तु इस खंड की किसी बात से यह नहीं समझा जाएगा कि वह ऐसे अग्निशमनकों का भूमि के नीचे प्रयोग प्रतिबिद्ध करती है जो बनाए जाने पर कार्यनशाब्दसम्पादित छोड़ते हैं:—

(3) कोई मजदूर व्यक्ति प्रत्येक मास में कम से कम एक बार ऐसे उपस्कर, सामग्री या प्रबंधों की परीक्षा करेगा जिनकी अग्निशमन के लिए व्यवस्था की गई है। ऐसी प्रत्येक परीक्षा की रिपोर्ट इस प्रयोजन के लिए रखी गई किस्ब-बुद्ध पुस्त संघाकित पुस्तक में रखी जाएगी और परीक्षा करने वाले व्यक्ति द्वारा उस पर हस्ताक्षर करके तारीख डाली जाएगी। किसी ऐसी परीक्षा के दौरान या अवस्था कोई कमी पाई जाती है तो उसे सुम्न दूर किया जाएगा।

23. उक्त विनियमों के विनियम 122 में,—

(i) उपविनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(2) किसी खान में, जिसमें कोयला निकालने में टूटी हुई भूमि पर या हिरो विद्युत खाना खान में या भूमि के नीचे की खान के किसी भाग में आग का पता चले या आग के विद्यमान होने का विश्वास किया जाए,—

(क) विनियम 119 के उपविनियम (3) में अधिकाधिक पूर्वोक्त धारित रहते हुए आग को नियंत्रित करने, मुह बंद करने या विवर्धित करने के लिए पर्याप्त कदम उठाए जाएंगे; और

(ख) खंड (क) में अपेक्षित पूर्वोक्तानियों में जित ऐसी खानों में कोई कार्य नहीं किया जाएगा जब तक कि, भूमि के नीचे का आगवाला क्षेत्र या टूटे हुए प्रवेश से के माध्यम से भूमि से जुड़ी आग का मुह प्रभावी रूप से खान के अन्त भागों से बंद न कर दिया हो और किसी टूटे हुए प्रवेश द्वार से भूमि से खान के क्षेत्र में आग की निकलने से रोकने के लिए पर्याप्त उपाय न किए गए हों और विद्युत खान की दशा में, आग पर पर्याप्त रूप से नियंत्रण न पा लिया गया हो।

(i) उपविनियम (4) के खंड (क) में, “भूमि के नीचे तपन” शब्दों के पश्चात् “या गोक या पुराना खानों के किसी क्षेत्र का मुह बंद करने” शब्द अंतर्स्थापित किए जाएंगे।”

24. उक्त विनियमों के विनियम 127 में,—

(i) उपविनियम (1) उपविनियम (2) और उपविनियम (3) के के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखे जाएंगे, अर्थात्—

"(1) प्रत्येक खान में उसी खान या पार्श्वस्थ खान की खनियों से जब वे गीली हो जाएं पानी या अन्य द्रव पदार्थ या अन्य सामग्री के फूट निकलने को रोकने के लिए, जिनके बहने की संभावना है, और पानी या अन्य द्रव पदार्थ के प्रोब या निकालने के लिए बोर छिद प्रवेधित करने समय दुर्घटनाओं को रोकने के लिये उचित व्यवस्था की जाएगी।

(2) जहां निम्नलिखित में कार्य किया जा रहा है—

(क)(i) किसी अन्य सीम या सैक्शन के नीचे बोर्ड सीम या सैक्शन; या

(ii) किसी सीम या सैक्शन के नीचे के ऐसे स्थान में जो किसी निम्नतर सीम या सैक्शन के किसी स्थान में निम्नतर तल पर है; या

(iii) किसी सीम के, जो अंश के समीप है जो किसी ऐसे उपविनियम सीम या सैक्शन से होकर गुजरती है जो पानी या अन्य द्रव पदार्थ के संचय में युक्त है, या हो सकती है, या किसी ऐसे अन्य द्रव पदार्थ से युक्त है जिसके गीला होने की दशा में बहने की संभावना है, किसी स्थान में,

(ख) किसी अल घाले स्तर में,

सभी उपर्युक्त सूचनाएं जिनके अन्तर्गत उपरवर्णित लक्षणों की स्थिति विस्तार और गहराई की है अज्ञित की जाएगी और अभिलेख रखा जाएगा तथा पानी या अन्य द्रव पदार्थ या किसी-अन्य सामग्री के फूट निकलने को रोकने के लिए, जो गीला होने की दशा में बढ़ती हो कार्यकरण की एक स्कीम बनाई जाएगी और उसे प्रभावी ढंग से कार्यान्वित किया जाएगा।

(3) उपविनियम (1) और उपविनियम (2) की अपेक्षाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, जब कोई खनिज किसी व्यक्तिपयोग या परिवहन या अन्यथा खनियों से (जो ऐसी खनियों नहीं है जिनकी परीक्षा की जा चुकी है और जो पानी या अन्य द्रव पदार्थ या अन्य सामग्री के संचय से युक्त पाई गई है, जिनका गीला होने पर संभावना संभाव्य है) 60 मीटर की दूरी के अंदर तक पहुंच जाए, चाहे वे उसी खान में हों या किसी पार्श्वस्थ खान में हों, तब तक उसका और अपने विस्तार मुख्य निरीक्षक की लिखित में पूर्ण अनुज्ञा और उन शर्तों के अधीन ही जो वह उसमें विनिर्दिष्ट करे, किया जाएगा अन्यथा नहीं।

स्पष्टीकरण : इस उपविनियम के प्रयोजन के लिए उक्त खनियों के बीच की दूरी से अभिप्रेत होगा, यद्यपि, एक ही सीम की खनियों या किसी दो सीमों या सैक्शनों की सभी न्यूनतम दूरी, चाहे वह किसी भी दशा में नापी जाए, अर्थात् चाहे दीर्घाक्ष रूप से नापी जाए या अर्धवृत्त या अणुत रूप में।"

(2) उपविनियम (6) के खंड (क) में सभी ऐसे बोर छिद—  
होंगे " शब्दों के पश्चात् "एक दूसरे के समीप पर्याप्त रूप से प्रवेधित यह सुनिश्चित करने के लिए कि पानी या तरल पदार्थ या किसी अन्य सामग्री वाली खनियों में जब वे गीली हो जाएं तो उनका उनसे फूट निकलना संभाव्य है, "अथ पृष्ठ दुर्घटना रूप में अप्रत्याशित नष्ट होना" शब्द अंतर्भावित किए जाएंगे।

25. उक्त विनियमों के विनियम 149 का लोप किया जाएगा।

26. उक्त विनियमों के विनियम 194 के उपविनियम (1) में, 119 (2) अंकों और कोष्ठक के स्थान पर "118-क(3)(ग), 119 (2), 119(3)(क), 120(3) और 120(4)" अंक, दसग और कोष्ठक रखे जाएंगे।

27. उक्त विनियमों के विनियम 204 में,—

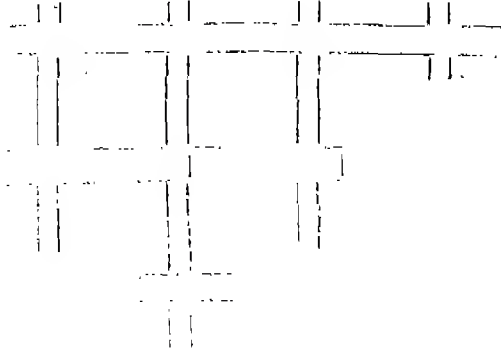
(i) पार्श्व शीर्षक के स्थान पर निम्नलिखित पार्श्व शीर्षक रखा जाएगा, अर्थात्—

(ii) उपविनियम (1) में "ममिति को अतीत"

(क) उपविनियम (1) में आने वाले शब्दों "मुख्य निरीक्षक के नीचे विनिर्दिष्ट किसी आदेश के विरुद्ध अपील" के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखे जाएंगे, अर्थात् :—"इन विनियमों के अधीन मुख्य निरीक्षक द्वारा किए गए किसी मूल आदेश के विरुद्ध या मुख्य निरीक्षक द्वारा प्रादेशिक निरीक्षक के आदेश के विरुद्ध किसी अपील पर विनियम 203 के अधीन पारित किसी आदेश के विरुद्ध";

(ख) खंड (1) और (2) का लोप किया जाएगा।

28. दूसरी अनुसूची में उक्त विनियमों के (विनियम 53 के अधीन) "स्वयं और गैरस्वयं" नाम के सामने विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

प्रतीक	
	विन्दु रेखाओं द्वारा दर्शित खनियों का सर्वेक्षण नहीं किया गया है और उनका विस्तार कुछ रूप से ज्ञात नहीं है।

[संख्या एम-66012/1/86-एम.-1]

आर.टी. पाण्डे, उप सचिव

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 15th July, 1988.

NOTIFICATION

G.S.R. 787 (E).—The following draft of certain regulations further to amend the Coal Mines Regulations, 1957, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 57 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), is hereby published as required by sub-section (1) of section 59 of the said Act, for information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby

given that the said draft will be taken into consideration on the expiry of a period of three months from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the period so specified will be considered by the Central Government.

#### DRAFT REGULATIONS

1. These regulations may be called the Coal Mines (Amendment) Regulations, 1988.

2. In regulation 2 of the Coal Mines Regulations, 1957, (hereinafter referred to as the said regulations), of the clause (34) the following clause shall be inserted, namely :—

“(34-A) “Working” means any excavation made or being made in a mine for search of or obtaining coal”.

3. After sub-regulation (10) of the regulation 11 of the said regulations, the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided that if at any meeting there is no quorum as aforesaid, the meeting shall automatically stand adjourned to a date which is three days later or if that day is a public holiday, to the next working day and the time, place and agenda for the adjourned meeting shall remain unchanged. It shall thereupon be lawful to dispose of the business at such meeting irrespective of number of members attending”.

4. In regulation 15 of the said regulations—

(i) for sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

“(32) No person shall be admitted as a candidate to any examination for Managers', Surveyor's, Overman's or Sirdar's Certificate unless he has passed the matriculation examination of a recognised university or its equivalent, and for an Engine Driver's or Shotfirer's Certificate unless he satisfies the Board that he is literate”.

Provided that nothing in this sub-regulation shall be deemed to debar a person not satisfying the provisions thereof from being admitted at an examination for a Sirdar's Certificate on or before the 1st day of January, 1989, if he had been admitted at an examination for the said Certificate earlier.

(ii) sub-regulation (2A) shall be omitted.

5. For regulation 20 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely :—

“20. Fees for grant of certificates—

(1) Fees on the following scale shall be paid in respect of every application for the grant of a certificate :—

(a) in the case of a First Class Manager's Certificate ..... Rs. 100.00

(b) in the case of a Second Class Manager's Certificate ..... Rs. 75.00

(c) in the case of a Surveyor's Certificate ..... Rs. 50.00

(d) in the case of an Overman's Certificate ..... Rs. 50.00

(e) in the case of a Sirdar's certificate ..... Rs. 30.00

(f) in the case of a I Class Engine Driver's Certificate. .... Rs. 30.00

(g) in the case of II Class Engine Driver's Certificate. .... Rs. 25.00

(h) in the case of a Short-firer's Certificate ..... Rs. 25.00

(i) in the case of Gas-testing Certificate ..... Rs. 25.00

(j) in the case of a Lamp Checker's Certificate ..... Rs. 25.00

(2) The Chief Inspector may permit the refund of any fee paid under sub-regulation (1) where the candidate has died before the examination for grant of a certificate or where the fee has been erroneously paid.

(3) Except as aforesaid, fee paid for the grant of a certificate shall be refundable.”

6. Regulation 25 of the said regulations shall be omitted.

7. In regulation 26 of the said regulations,

(i) for the words “Suspension of an” occurring in the marginal heading, the words “Suspension of a Manager's, Surveyor's,” shall be substituted; and

(ii) for the words “holder of an” occurring in sub-regulations (1), the words “holder of a Manager's surveyor's” shall be substituted.

8. In regulation 31 of the said regulations, the second proviso to sub-regulation (2) and the words “or of Regulation 149,” occurring in sub-regulation (3), shall be omitted.

9. After regulation 32 of the said regulations, the following regulation shall be inserted, namely :—

“32-A, Qualifications and appointment of Ventilation Officer—In every mine consisting of gassy seams of first degree, the average output of which exceeds 5,000 tonnes or of second or third degree the average output of which exceeds 2,500 tonnes, the manager shall be assisted in the work of supervising the maintenance of the ventilation system of the mine in accordance with the provisions of these regulations by a Ventilation Officer who shall be a person holding the following qualifications :—

(a) in the case of a mine consisting of gassy seams of first degree and having an average output in excess of 15,000 tonnes or a mine consisting of gassy seams of second or third degree and having average output in excess of 10,000 tonnes, a Manager's Certificate ; and



(b) in every other case, a Manager's Certificate or a Degree, Diploma or Certificate in Mining or Mining Engineering approved for the purpose of the proviso to sub-regulation (1) of regulation 16.

Provided that, where special conditions exist, the regional inspector may, by an order in writing and subject to such conditions as he may specify therein, permit or require the appointment of a ventilation officer in variance of these provisions or require the appointment of such number of persons to assist the ventilation officer, as may be specified in the order :

Provided further that, in the case of a mine consisting of gassy seams of first degree and having an average output less than 15,000 tonnes, the regional inspector may, considering the nature and extent of workings therein, permit, by an order in writing and subject to such conditions as he may specify therein combining of the post of ventilation officer with that of safety officer appointed under regulation 31-A.

Explanation—For the purpose of this regulation the expression 'average output' means the average per month of the total output during the preceding year from the belowground workings of all seams. Where the mine consists of gassy seams of different degrees, the aforementioned average output shall be deemed to be from the seam or seams of the highest degree of gassiness".

10. After sub-regulation (1) of regulation 34 of the said regulations, the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

"(1A) The mine or district assigned to an overman under sub-regulation (1) shall not be of such a size, nor shall any additional duties other than his duties under these regulations be such, as are likely to prevent him from carrying out in a thorough manner the duties prescribed for him under these regulations and in case any doubt arises as to the foregoing duties, it shall be referred to the Chief Inspector for decision."

11. In sub-regulation (8) of regulation 41 of the said regulations, the words "and a copy of every such entry together with a copy of the plan shall be furnished to the regional inspector within seven days of the accident" shall be inserted at the end.

12. In sub-regulation (2) of the regulation 41A of the said regulations, for the word "if" the words "Except in an emergency, on duties other than those specified above shall be assigned to the safety officer and whenever" shall be substituted.

13. In sub-regulation (2) of regulation 42A of the said regulations, for the word "if" the words "Except in an emergency, no duties other than those specified above shall be assigned to the ventilation officer and whenever" shall be substituted.

14. In clause (b) of sub-regulation (8) of regulation 43 of the said regulations, the following explanation shall be inserted namely :—

"Explanation—For the purpose of this sub-regulation, the expression 'justifiable cause' shall relate only to the duties enumerated in this regulation."

1865 GI/84—2.

15. In regulation 100 of the said regulations—

- (i) in sub-regulation (1), for the words "Chief Inspector", the words "regional inspector" shall be substituted.
- (ii) sub-regulation (4) shall be omitted.
- (iii) in sub-regulation (5) after the words, "as small an areas of uncollapsed roof as possible," the words, "with due regard to danger from an airblast or weighting on pillars" shall be inserted.

16. In regulation 103A of the said regulations—

- (a) to sub-regulation (1), after the existing proviso the following proviso shall be inserted, namely :—

"Provided further that an entry made in the register or the absence of an entry therein as also a communication in pursuance with the aforesaid proviso or absence thereof shall not in any way limit the duties or obligations of a person under the Act or the regulations, rules, bye-laws or orders made thereunder."

- (b) for sub-regulation (2), the following sub-regulations shall be substituted, namely :—

"(2) When an entry is made in the register—

- (a) the owner, agent and manager shall each be deemed to know what is contained in that entry; and
- (b) a copy thereof shall be displayed within three days of the date of such entry on the notice board of the mine for not less than fifteen days".
- (c) after sub-regulation (3) the following sub-regulation shall be inserted, namely :—
- (4) The register—
- (a) shall be kept available for inspection in the office of the mine for a period of at least three years after the date of making of the last entry in it; and
- (b) shall not be removed therefrom before the expiry of the aforesaid period, except by or with the approval in writing of the Regional Inspector".

17. In regulation 108 of the said regulations—

- (i) after clause (b) of sub-regulation (1), the following clause shall be inserted, namely :—
- "(b) every development working within 10 metres of face and every junction of roadways immediately outbye of a development face;"
- (ii) for sub-regulations (2) and (3), the following sub-regulations shall be substituted namely :—

(2) The manager of every mine having workings below ground shall, before commencing any operation specified in sub-regulation (1) and also when required by the Regional Inspector, frame, with due

regard to the physico-mechanical properties of strata, local geological conditions, system of work and mechanisation, and past experience, and enforce Systematic support Rules specifying in relation to each working place the type and specifications of supports and the intervals between—

- (i) supports on roadways including places where machinery is used for cutting, conveying or loading;
- (ii) each row of props, roof bolts or other supports;
- (iii) adjacent rows of props, roof bolts or other supports;
- (iv) last row of supports and the face;
- (v) hydraulic chocks and powered supports; and
- (vi) the pack and the face;

Provided that, in respect of a mine where development operations are already in progress, the support rules in relation to the working places specified in clause (c) of sub-regulation (1) shall be framed and enforced within 15 days of the date of coming into force of this sub-regulation.

(3) The manager shall, at least 30 days before the commencement of any operation specified in sub-regulation (2) and subject to the proviso thereto submit a copy of the Systematic timbering rules to the Regional Inspector who may, at any time, by an order in writing, require such modification in the rules as he may specify therein."

- (iii) the words "framed and approved as aforesaid" and "other" occurring in sub-regulation (4) shall be omitted.
- (iv) After sub-regulation (5) the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

6. "The manager shall formulate and implement a code of Standing Orders specifying—

- (a) the system and the organisation for procurement and supply of supports of suitable material, adequate strength and in sufficient quantity where these are readily available for use;
- (b) the method of handling including dismantling and assembling where necessary and transportation of the supports from the surface to the face and from the face line to their new site;
- (c) the system and the organisation for maintenance and checking of supports, dressing the roof and sides, erecting, examining and re-tightening of supports and re-erecting dislodged supports, including the use of appropriate tools.
- (d) the panel of competent persons for engagement as substitutes in the event of a regular supportsmen or dresser absenting from duty; and

- (c) the manner of making all concerned persons such as, loaders, dressers, timbermen, shortfirer, sirdars, overmen and assistant managers fully conversant with the systematic support rules and the nature of work to be performed by each in that behalf".

18. For regulation 109 of the said regulations the following regulation shall be substituted, namely :—

"109. Setting of supports—(1) (a) Every prop shall be set securely and on a sound foundation; and shall be kept tight against the roof.

(b) Where a prop is set on sand or other loose material, a flat-base piece not less than 5 centimetres in the thickness 25 centimetres in width and 0.75 metre in length shall be used.

(c) The lid used over a prop shall have a width not less than the diameter of the prop, a thickness not less than 8 centimetres and a length not less than 0.5 metre.

(2) Every bar set for supporting the roof of a roadway shall be set securely on props or on cogs or on steel clamps of suitable design and adequate strength, securely fixed on the sides of the roadway or in holes at least 0.5 metre deep made in the sides of the roadway and shall be made and kept tight against the roof. Where lagging is necessary, the number of laggings shall not be less than one for every metre length of the bar and the laggings shall be made and kept tight against the roof.

(3) (a) Every cog used as a support shall be well-built and set on the natural floor or on a secure foundation, and shall be made and kept tight, maintaining maximum possible contact against the roof.

(b) Only rectangular pieces shall be used as members of a cog, so however that, in case of timber it shall be sufficient to joggle two opposite sides.

(c) The cogging members shall be not less than 1.2 metres in length.

(d) Before erecting cogs in a depillaring area, props shall be erected at the corners of each cog.

(4) In inclined seams the supporting props and cogs shall be so set as to ensure maximum support having regard to the inclination of the seam or roadway and probable strata movement. Where necessary such supports shall be re-inforced to prevent displacement.

(5) Every ledge and every prominent crack or slip in the roof shall be kept supported with at least a pair of cogs or cross-bars suitably lagged.

(6) Overhanging sides shall be dressed down. Where this is not practicable, stay props or other suitable means of support shall be erected at intervals not exceeding one metre.

(7) Where sand or other material is stowed or a pack is formed for the purpose of support, it shall be packed or made as tight against the roof as practicable over its whole area.

(8). (a) Roof and sides and supports shall be tested as often as necessary; and except where it is no longer necessary for purposes of support, any support

loosened, broken or dislodged by or removed for any operation shall be tightened, replaced or reset with the least possible delay and particularly before persons are allowed to pass or resume work after an interruption. Where floor coal or roof coal is taken, shorter props shall be replaced with longer props.

(b) In every place wherein roof coal is taken or a fall of roof or sides has occurred, no work of cleaning the dislodged coal or the fall or any part thereof shall be undertaken nor shall any person be allowed to pass, until the newly exposed roof and sides in the vicinity thereof have been examined and made safe, if necessary, by temporary supports.

(9) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (8) only such minimum number of persons may be engaged under the supervision of a siradar or overman as may be necessary for securing the roof and sides thereat.

10. Where roof bolts are used for support, the bolts shall be securely fixed in place.

11. (a) Powered supports, hydraulic chocks or link-bars shall be advanced as soon as practicable after a web of coal has been taken off the face so as to ensure that the area of unsupported newly exposed roof is taken to a minimum.

(b) Powered supports, hydraulic chocks and props and friction props shall be set securely and checked from time to time. When any defect is detected in any powered support or hydraulic chock, the same shall be attended to as soon as possible and until then the roof at that place shall be kept effectively supported with conventional supports. Any defective hydraulic or friction prop shall be replaced immediately.

(c) Where, by reason of any irregularity in the roof, floor or sides or due to any other reasons, any powered support or hydraulic chock becomes ineffective, conventional supports in sufficient number shall be used.

(d) Additional supports shall be also erected for support of roof and sides on the face side of a face conveyor during any period it becomes necessary for persons to pass or work on the face side of the conveyor for whatever reason.

19. For regulation 110 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely :—

**"110. Withdrawal of supports—**

(1) Whenever supports are to be withdrawn the withdrawal shall be done in accordance with the method which shall be specified in the Manager's Standing Orders. The standing order shall cover—

- (a) the supply and use of appropriate tools and safety contrivances;
- (b) the setting of extra supports to control the collapse of roof from which supports are being withdrawn;
- (c) the sequence of withdrawal of supports; withdrawal of a cog to precede withdrawal of its corner props;

(d) safe positioning of the persons engaged in the operation;

(e) training of competent persons who are entrusted with the operations; and

(f) supervision during withdrawal of supports.

(2.) In case of powered supports, the order shall also specify the method of supports of the face line during the withdrawal operations."

20. In regulation 118A of the said regulations—

- (i) in sub-regulation (i) for the words "extraction of pillars" occurring in clauses (a) and (c) the words "extraction of coal", shall be substituted;
- (ii) in sub-regulation (3) shall be substituted for the words "goaved out area" occurring in clause (c) the words "goaved out areas and unused workings" shall be substituted.
- (iii) proviso to sub-regulation (4) shall be omitted.

21. For regulation 119 of the said regulations, the following regulation shall be inserted, namely :—

**"119. Precautions after a fire has broken out—**

(1) When any person detects smoke or any other sign indicating the presence of spontaneous heating or fire that may have broken out on any ground broken by extraction of coal or in any opencast working or in any part of a mine belowground, he shall immediately inform his superior official about the same.

(2) On the appearance, in any opencast working or on any ground broken by extraction of coal or in any part of a mine belowground, or any sign indicating that a fire or spontaneous heating has or may have broken out—

- (a) all persons other than those whose presence is deemed necessary for dealing with the fire or heating shall be immediately withdrawn from the opencast working or the workings belowground and such parts of the surface, where they may be endangered by fire, smoke or ejected hot material;
- (b) adequate steps shall be taken without delay, to extinguish and dig out the fire or heated material or to control and seal-off or isolate the fire or heating to prevent the spread thereof; and
- (c) in the case of a fire or heating belowground, the emergency plan prepared under regulation 199A shall be immediately put into action.

(3) During the whole time that any work of dealing with or sealing-off or blanketing or isolating a fire or heating is in progress—

- (a) a competent person shall be present on the spot throughout;



(b) adequate precautions shall be taken to prevent danger to persons from any noxious, asphyxiating or inflammable gases; flame steam and ejected or rolling down hot ashes and material, explosion of water gas and falling into crevices or pot holes that may occur in the area on fire;

(c) while dealing with fire or heating with the aid of heavy machinery, a probe, or a crane with dropping weight or any other suitable means shall be used in proving areas of doubtful stability and when excavating any area of known or suspected to contain voids, dragline or drag-scraper shall be used in preference to the equipment running over suspect ground. In every equipment used in dealing with fire, proper allowance shall be made to the effect of heat;

(d) in the case of a fire or heating belowground,

(i) all accessible roadways continuous to the seat of fire or heating shall be treated with incombustible dust or in some other way designed to prevent the spread of fire; and

(ii) there shall be kept available at or near the place, adequate number of self rescuer and at least two smoke helmets or other suitable apparatus for use in emergency, a cage containing suitable birds or other means of detecting carbon monoxide gas approved by the Chief Inspector and a flame safety lamp or other means of detecting carbon dioxide gas approved by the Chief Inspector.

(4) (a) No person other than those required for dealing with or sealing off or isolating the fire or heating shall be re-admitted in the opencast working or in the mine below ground or on any part of the surface area in vicinity of the fire until the fire or heating has been extinguished or sealed off or otherwise effectively controlled and an examination has been made by the manager or by the under manager or assistant manager, and the mine has been declared to be safe. A report of every such examination shall be recorded in a boundpaged book kept for the purpose and signed and dated by the person making the examination :

Provided that the Regional Inspector may, be an order in writing and subject to such conditions as he may specify therein, permit the employment in the opencast working or in any part of the mine below-ground, of persons other than those required to deal with the fire or heating.

(b) the examination required by clause (a) shall be made with approved flame safety lamp and a cage containing suitable birds or other means of detecting carbon monoxide gas approved by the Chief Inspector.

(5) The manager of every mine shall prepare, and establish a detailed scheme for the provision and maintenance of suitable fire-fighting arrangements, for the prevention, detection, dealing and control of

any heating or fire, for the examination and maintenance of the protective measures taken to control or isolate a fire or heating and for ensuring safety of persons engaged in the said operations. The scheme shall be suitably modified and kept up dated as the situation warrants.

(6) Where in any mine or part thereof the provisions of clause (b) of sub-rule (2) above have not been complied with, or where in the opinion of the regional inspector the steps so taken are inadequate, he may give notice in writing to the owner, agent or manager, requiring him to take such protective measures, within such time, as he may specify therein. In the case of non-compliance with the requirements of the notice, the regional inspector may, by an order in writing, prohibit until the requirements of the notice have been complied with, the employment in the mine or part, of any person whose employment in his opinion is not necessary for the purpose of complying with the requirements aforesaid.

22. For regulation 120 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely :—

"120. Equipment and organisation for fire-fighting (1) In every opencast or underground mine—

(a) unless expressly exempted in writing by the regional inspector, water mains of metallic construction throughout and fitted with an adequate number of taps, not more than 100 metres apart and capable of delivering to all working places and all other places of fire risk including coal stocks, spoil heaps containing carbonaceous material, exposed coal surfaces liable to heating etc. an adequate quantity of water at sufficient pressure for the purpose of efficient fire fighting shall be provided and kept maintained. Hosepipes not less than 60 metres in length, with necessary standardised fittings shall also be kept readily available at suitable places;

(b) fire stations with a suitable supply of fire-fighting equipment shall be established and kept maintained at convenient point, both on surface and belowground; and

(c) sufficient supply of sand or incombustible dust or suitable portable fire extinguishers shall be provided at —

(i) every entrance to a mine and at every landing and shaft bottom in use ;

(ii) every place where timber, grease, oil or other inflammable material is stored ;

(iii) every engine room, electrical gear, driving unit of roadway conveyor, diesel maintenance workshop and firing station, storage battery charging station ;

(iv) every coal-getting machine and heading machine, provided that, where the risk of frictional ignition is high, the fire extinguishers provided with such machines shall be automatically operated and



(v) such other special places of fire risk as may be specified by the manager.

(d) an up-to-date fire-fighting plan showing the water mains, taps, fire-stations, pumping stations, ventilation system, escape routes etc. shall be kept maintained and a copy thereof posted in the mine office and at convenient places belowground. Adequate number of persons shall be also trained in the use of fire-extinguishers and in fire-fighting. All such persons shall be made familiar with the positions of all fire-fighting equipment provided in the mine.

(2) (a) Soda-acid type extinguishers or water shall not be used for fighting oil or electrical fires.

(b) Foam type extinguishers shall not be used for fighting electrical fires.

(c) Fire-extinguishers containing chemicals which are liable, when operated, to give off poisonous or noxious gases, shall not be provided or used belowground;

Provided that nothing in this clause shall be deemed to prohibit the use belowground of fire-extinguishers giving off carbon dioxide when operated.

(3) A competent person shall, once at least in every month, examine all the equipment, material and arrangements provided for fire-fighting. A report of every such examination shall be made in a bound-paged book kept for the purpose and shall be signed and dated by the person making the examination. Any deficiency found during any such examination or otherwise shall be immediately remedied."

23. In regulation 122 of the said regulations —

(i) for sub-regulation (2) the following sub-regulation shall be substituted namely :—

"(2) In any working mine, in which fire is known or believed to exist on any ground broken by extraction of coal or in any opencast working or in any part of the mine belowground —

(a) adequate steps shall be taken, subject to the precautions laid down in sub-regulation (3) of regulation 119, to control, seal-off or isolate the fire; and

(b) no work other than the precautions required by clause (a) shall be done in any part of such mine unless, the area on fire belowground or connected with fire on surface through broken strata is effectively sealed off from the remaining parts of the mine and adequate steps have been taken and kept maintained to prevent the passage of air from the surface into the fire area through any broken strata and in the case of opencast workings, the fire is adequately controlled.

(i) in sub-regulation (4) in clause (a) after the words "heating belowground" the words "or to seal off goaf or an area of old workings" shall be inserted,

24. In regulation 127 of (1) the said regulations (i) for sub-regulations (1) (2) and (3) the following sub-regulations shall be substituted, namely :—

"(1) Proper provision shall be made in every mine to prevent irruption of water or other liquid matter or any material that is likely to flow when wet from the workings of the same mine or of an adjoining mine and to prevent accidents while drilling bore holes for probe or release or a body of water or other liquid matter.

(2) Where work is being done in —

(a) (i) any seam or section below another seam or section; or

(ii) any place in a seam or section, which is at a lower level than any other place in a lower seam or section; or

(iii) any place in a seam approaching a fault passing through an upper seam or section, which contains or may contain an accumulation of water or other liquid matter or any material that is likely to flow when wet; or

(b) any water-bearing strata,

all useful information including the position, extent and depth of the abovementioned features shall be acquired and kept recorded and a scheme of working designed to prevent irruption of water or other liquid matter or any material which flows when wet shall be prepared and put into operation.

(3) Without prejudice to the requirements of sub-regulation (1) and sub-regulation (2), no working which has approached within a distance of 60 metres of any other working, whether disused or abandoned or otherwise (not being the working which has been physically examined and found to be free from accumulation of water or other liquid matter or any material that is likely to flow when wet) and whether in the same mine or in an adjoining mine, shall be extended further except with the prior permission in writing of the Chief Inspector and subject to such conditions as he may specify therein.

Explanation — For the purpose of this sub-regulation, the distance between the said workings shall mean the shortest distance between the workings of the same seam or between any two seams or sections, as the case may be, measured in any direction whether horizontal, vertical or inclined". (ii) in clause (a) of sub-regulation (6) after the words "All such bore holes shall be", the words, "drilled sufficiently close to each other to ensure that the advancing face will not accidentally hole through into a working containing water or liquid matter or any material that is likely to flow when wet and shall be" inserted.

25. Regulation 149 of the said regulations shall be omitted.

26. In sub-regulation (1) of regulation 194 of the said regulations, for the figures and brackets, 119 (2), the words, figures and brackets, "118-A (3) (c), 119 (2), 119 (3) (a), 120 (3) and 120 (4)" shall be substituted.

27. In regulation 204 of the said regulations :—

(i) for the marginal heading, the following marginal heading shall be substituted namely :—

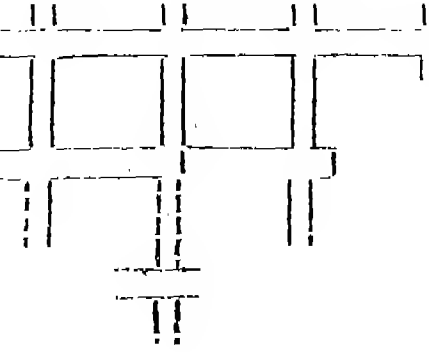
(ii) in sub-regulation (1) "Appeals to the Committee.—"

(a) for the words "Against any order of the Chief Inspector specified below", occurring in sub-regulation (1)", the following words shall be substituted, namely :—

"Against any original order made by the Chief Inspector under any of these regulations or against any order passed under regulation 203, by the Chief Inspector on an appeal against regional inspector's order",

(b) clauses (i) and (ii) shall be omitted.

28. In the Second Schedule (under regulation 59) of the said regulations against the NAME, "PILLARS AND GALLERIES" for the existing entries, the following shall be substituted namely :—

SYMBOL	REMARKS
	Workings shown by Dotted lines are not Surveyed and their Extent is not correctly known"

[No. S. 66012/1/86-M. 1]

R. T. PANDEY, Dy. Secy.